# रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 117 इंदौर, शुक्रवार 2 मई 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION


## रणजीत टाइम्स

## इंदौर सहायक आयुक्त आबकारी विभाग अभिषेक तिवारी जी से सौजन्य भेंट

रणजीत टाइम्स के सह-संपादक आदित्य शर्मा ने इंदौर में आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त अभिषेक तिवारी जी से सौजन्य मुलाकात की। इस विशेष अवसर पर श्री शर्मा द्वारा माता अहिल्या बाई होलकर की भव्य फोटो फ्रेम भेंट की गई, जो सेवा, न्याय और मर्यादा का प्रतीक मानी जाती हैं। भेंटवार्ता सौहार्द्रपूर्ण रही एवं इंदौर के सामाजिक सरोकारों, कानून व्यवस्था और पत्रकारिता के योगदान पर रचनात्मक चर्चा भी हुई। श्री तिवारी ने रणजीत टाइम्स की सकारात्मक पत्रकारिता के प्रयासों की सराहना की और समाजहित में निरंतर सक्रिय रहने की शुभकामनाएं दीं।

# रेप जिहाद मामला भाजपा विधायक ने कहा जिसने भी सहयोग किया सब को कुचलो

आरोपी

**भोपाल**। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुचर्चित (एम पी अजमेर कांड' पार्ट-2) रेप जिहाद मामले में नेताओं के कड़े बयान सामने आए हैं। बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा, सासंद आलोक शर्मा सहित आरोपी फरहान के पिता और क्लब संचालक के भी बयान सामने आए बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि लव जिहाद पर चौतरफा हमला होगा। इस अपराध को तोड़ा जाना चाहिए। अपराध की कमर तोड़ना चाहिए, घुटने तोड़े जाना चाहिए, आगे पीछे जो भी सहयोगी, कर्ता धर्ता, मुल्ला मौलवी, नेता अभिनेता जो भी हों सबको कुचलो। जैसा ही मामला सामने आया था मैंने पुलिस से कहा था कि दो लड़कों का मामला नहीं है इसके पीछे गिरोह है। जाति के नेता हैं उनसे आग्रह है कि उनकी बेटी इस्लाम में ना बिहाई जाए, जैन, बौद्ध, सिख, सनातनियों से आग्रह है। लव जिहाद केवल भोपाल में नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में और देश में संचालित करने का षडयंत्र चल रहा है। सरकारी संपत्तियों पर इन्होंने जो बड़ी-बड़ी बिल्डिंग तान रखी हैं। काम धंधा है नहीं और बिल्डिंगें तन गईं। सब दिखता है कि इनको लव-जिहाद के लिए पैसा भी कोई ना कोई फाइनेंस कर रहा है।

### यहां लव जिहाद बिल्कुल नहीं चलेगा

रेप जिहाद मामले को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा- मामला लोकसभा में उठाएंगे। रहीम से राम नाम बदलकर लव जिहाद कर रहे है। हमारे पास रोजाना परिवार वाले आते हैं। मध्यप्रदेश में बीजेपी की सरकार है, यहां लव जिहाद बिल्कुल नहीं चलेगा। हम कॉलेज स्कूल में जाकर छात्राओं से संवाद करेंगे। ऐसे लोगों की नसबंदी होनी चाहिए।

### ऐसी सजा मिले जिससे कोई दोबारा अपराध न कर सके

मामले के एक आरोपी फरहान के पिता ने कहा कि- मेरे बेटे को गलत करने पर कानून सजा देगा। जिस लड़की ने आरोप लगाया वो ईद पर घर आई थी। मेरे बेटे ने जो गलत किया उसके लिए मैं शर्मिंदा हूं। फरहान से गलती हुई है, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस मामले में जो भी गुनाहगार है उसे सख्त सजा मिले। फरहान गुनाहगार है तो ऐसी सजा मिले उसे कोई ऐसा अपराध दोबारा न करें। हमारा पर्दानशीं परिवार है महिलाएं घर से बाहर जाती हैं तो नाखून भी नजर नहीं आता है, ऐसे में फरहान ने यह कदम कैसे उठा लिया सोच नहीं सकते। मेरे बेटे ने कभी नशा नहीं किया है। क्लब 90 पर कार्रवाई महज अफवाह भोपाल क्लब 90 के संचालक मोहित सिंह बघेल ने अपने रेस्टोरेंट के लव जिहाद मामले से जुड़े आरोपों को सिरे से नकार दिया है। कहा- क्लब 90 पर कार्रवाई महज अफवाह है। लव जिहाद से क्लब 90 का कोई लेना देना नहीं है। यह एक लॉन रेस्टोरेंट है, यहां अनैतिक कार्य करने की कोई जगह नहीं है। कुछ छोटे राजनीतिक दल प्रोटेक्शन मनी न मिलने पर यहां लव जिहाद कराने और नमाज पढ़ाने की अफवाह फैला रहे है।

# प्रतिपल आनंद में रहने की अनुभूति है सहजयोग

योग के संबंध में कहा जा सकता है कि योग स्थूलता से सूक्ष्मता की ओर जाना अर्थात बाह्य से अंतर्मुख होना है। योग प्रक्रिया में यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार के पांच बहिरंग साधन हैं और धारणा, ध्यान, समाधि अंतरंग साधन हैं।

योग का वास्तविक अर्थ है हमारी आंतरिक शक्ति का परमात्मा की प्रेम की शक्ति से एकरूप होना। समग्र याने इन्टीग्रेटेड हुए बिना ध्यान की हर पद्धति अधूरी है। स्वयं का साक्षात्कार किए बिना परम शक्ति को अनुभव नहीं किया जा सकता। सहजयोग में यह कुंडलिनी जागरण से आसान हो जाता है। आत्मा की जागृति के लिए ध्यान में स्थित होना ही एकमात्र साधन है। ध्यान प्रक्रिया एक व्यक्तिगत आंतरिक प्रक्रिया होती है। जहां आप नितांत अकेले होते हैं। जब स्थूल गौण होने लगता है व सूक्ष्म की जागृति होती है। निर्विचारिता का प्रादुर्भाव होता है व हम भूत और भविष्य को छोड़कर वर्तमान में स्थित हो जाते हैं। इस स्थिति को श्री माताजी ने अत्यंत ही सुंदर शब्दों में व्यक्त किया है कि,

"सर्वप्रथम ध्यान है दूसरे धारणा फिर समाधि। साधना जब आपमें जागृत होती है तो आप अपना चित्त अपने इष्ट पर डालते हैं - यह ध्यान है। आपने निरंतर अपना चित्त अपने इष्ट देवता पर रखना है, तब आपमें वह स्थिति विकसित होती है जो धारणा कहलाती है। जिसमें आप के

चित्त का एकीकरण इष्ट देवता के साथ हो जाता है। यह स्थिति परिपक्व होने के पश्चात तीसरी अवस्था समाधि का उदय होता है। ( मुंबई, 19/1/ 1984 ) नियमित ध्यान धारणा द्वारा जब पांचों तत्वों का जय हो जाता है तब फिर योगी के लिए ना रोग है ना जरा है ना दुख है क्योंकि उसने वह स्थिति पा ली है जो योग से प्रकट हुई है। योग का पहला फल यही होता है शरीर हल्का हो जाता है, आरोग्य रहता है, विषयों की लालसा मिट जाती है, कांति बढ़ जाती है, स्वर मधुर हो जाता है, गंध शुद्ध हो जाता है तथा उत्सर्जन के कार्यों में क्षीणता आती है। इसके पश्चात् आत्मा के शुद्ध स्वरूप का साक्षात् होता है। व्यक्ति आत्मतत्व से साक्षात् करके सब शोक को पार करता हुआ परम से एकाकार हो जाता है। उसकी कृपा में कृतार्थ हो जाता है। सहजयोग सृष्टि के आनंद को प्राप्त करने का योग है। प्रतिपल इस आनंद में स्थित रहने के लिए श्री माताजी के समक्ष कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर आप इस राह के राही बन सकते हैं स्वयं को एक अवसर अवश्य प्रदान करें परमात्मा के साम्राज्य का अधिकारी बनने का। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु www.sahajayoga.org.in और टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

# पत्रकारों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रणजीत टाइम्स -अनिल चौधरी

**इंदौर। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ इंदौर जिला इकाई द्वारा द्वारा 1 मई मजदूर दिवस को वाहन रैली निकाली गई और इंदौर कलेक्टर को 21 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया।**

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देश पर गुरुवार को इंदौर जिला इकाई द्वारा वाहन रैली निकाली गई जो कलेक्टर कार्यालय पर पहुंची ,जहां इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को श्रमजीवी पत्रकारों की समस्या को लेकर 21 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया ।संभागीय अध्यक्ष आलोक शर्मा अकेला , संभागीय उपाध्यक्ष अनिल पटेल विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर इंदौर जिला इकाई अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह थनवार, महासचिव राजेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष खन्नू विश्वकर्मा, सचिव अशोक शर्मा, सहसचिव अनिल चौधरी, किशोर लोवंशी, , कार्यकारिणी सदस्य अर्जुन सिंह राजपूत, दिनेश देशमुख, मुरली खंडेलवाल, सुल्तान किरमानी, सदस्य गिरीश कानूनगो, कमलेश श्रीवास्तव, कमलेश्वर सिंह सिसोदिया, राजेंद्र सचदेव, मिर्जा जाहिद बैग उपस्थित थे।

# पुलिस प्रशासन कि मौजदूगी में सफल हुआ भीलप्रदेश एकता महासम्मेलन

## वक्ताओं ने मंच से एक स्वर में उठाई भील प्रदेश की मांग

रणजीत टाइम्स

राजेश सोनी

**झाबुआ** : जिले के ग्राम खवासा स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में प्रथम भीलप्रदेश एकता महासम्मेलन का सफलतम आयोजन संपन्न हुआ।कार्यक्रम आदिवासी परिवार की सामाजिक ईकाई भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा द्वारा आयोजित किया गया था । कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी उत्सव आखातीज कि परम्परा का निर्वहन करते हुए किया गया।राजस्थान से पधारे आदिवासी परिवार के सामाजिक कार्यकर्ता हीराभाई दामा ने सर्वप्रथम कृषि के आदिम औजार हल की पूजा भीली संस्कृति के अनुरूप की। साथ ही आदिवासी क्रांतिकारी बिरसा मुंडा,टंट्या भील,राणा पूंजा भील, डॉ भीमराव आंबेडकर के तस्वीरें पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई । कार्यक्रम में महाराष्ट्र,गुजरात, राजस्थान एवम् मध्यप्रदेश के अधिकतर जिलों से सामाजिक कार्यकर्ता आयोजन में सम्मिलित हुए। राजस्थान से पधारे सामाजिक कार्यकर्ता भंवरलाल परमार ने आदिवासी संस्कृति के संरक्षण की बात कही ।धरियावद, सैलाना,आसपुर,चौरासी के विधायकों ने विधानसभा में भीलप्रदेश के गठन की मांग विधानसभा सत्र में रखने की बात कही।आदिवासी परिवार के सामाजिक कार्यकर्ता कांतिभाई आदिवासी ने भीलप्रदेश के निर्माण के लिए सभी को संगठित होने का आह्वान किया।भील सेना सामाजिक संगठन के शंकरभाई बामनिया ने युवाओं को समाज के संवैधानिक अधिकारों के लिए आवाज उठाने हेतू आगे आने को कहा । भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा के धर्मेंद्र भाई डामोर ने भीलप्रदेश के सभी समाजजनों को भीलप्रदेश के लिए समर्थन करने का आह्वान किया। गुजरात से राजूभाई वसावा ने जल जंगल जमीन ओर आदिवासी वर्ग के संवैधानिक अधिकारों के लिए अपनी बात रखी। प्रतापगढ़ के विधानसभा प्रत्याशी रहे मांगीलाल निनामा ने भीलप्रदेश के लिए हूंकार भरी ।

आयोजन में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये निर्दोष 28 नागरिकों के लिए ,सामाजिक कार्यकर्ता भंवरलाल परमार के आह्वान पर भीलप्रदेश एकता महासम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर 1 मिनिट का मौन धारण किया। प्रथम भीलप्रदेश एकता महासम्मेलन के सफलतम आयोजन में सम्पूर्ण आयोजन समिति की महत्ती भूमिका रही। इन्होंने किया संचालन-कार्यक्रम का संचालन सचिन गामड़ ,दशरथ बारिया आदि ने किया प्रथम भीलप्रदेश एकता महासम्मेलन के सफल आयोजन के उपलक्ष्य में आभार भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक ने माना।

# स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी पूर्व सैनिक मंशाराम नागर 25 वर्ष की सेवा देने के बाद हुए सेवानिवृत

रणजीत टाइम्स

आशीष शर्मा

सनावद -स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी पूर्व सैनिक मंशाराम नागर 25 वर्ष की सेवा देने के बाद सेवानिवृत हो गए। इस अवसर पर उनके गृह ग्राम अंबा सैनिक नगर में आयोजित समारोह में विधायक सचिन बिरला ने नागर की कर्त्तव्यनिष्ठा एवं सेवा भावना की प्रशंसा की और पुष्पमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान ग्रामीण मंडल अध्यक्ष नरेंद्रसिंह पंवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

रणजीत टाइम्स

इंदौर, शुक्रवार 2 मई 2025

03

DIGITAL EDITION

# प्रभारी मंत्री श्री विश्वास सारंग का आज खरगोन आगमन

रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर

खरगोन।मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा खरगोन जिले के प्रभारी मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग का आज खरगोन में आगमन है। प्रभारी मंत्री श्री सारंग प्रातः 08:30 बजे इंदौर से मण्डलेश्वर प्रातः 10:30 बजे मण्डलेश्वर पहुंचेंगे। मण्डलेश्वर में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद प्रातः 11 बजे मण्डलेश्वर से कसरावद के लिए प्रस्थान करेंगे और प्रातः 11:30 बजे कसरावद पहुंचेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सारंग प्रातः 11:45 बजे कसरावद से खरगोन के लिए प्रस्थान करेंगे और दोपहर 12:30 बजे सर्किट हाऊस पहुंचेंगे। सर्किट हाऊस में कार्यकर्ताओं से भेंट करने के बाद प्रभारी मंत्री श्री सारंग दोपहर 02 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला अधिकारियों की बैठक लेंगे और विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। दोपहर 03:30 बजे प्रभारी मंत्री श्री सारंग मण्डी प्रांगण में विकास कार्यों के लोकार्पण, भूमिपूजन एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे सायं 05:30 बजे संघ कार्यालय पर भेंट करेंगे तथा सायं 06 बजे कृष्णा होटल में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री सारंग सायं 07 बजे मण्डल अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे और रात्रि 08 बजे कोर कमेटी की बैठक में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री सारंग रात्रि 09 सर्किट हाऊस खरगोन से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

# आम आदमी पार्टी ने मजदूर दिवस पर किया श्रमिकों का सम्मान

रणजीत टाइम्स

**1 मई, अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर आम आदमी पार्टी, जिला बैतूल द्वारा PWD चौक रेन बसेरा के पास एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।**

इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने भाग लिया। आप कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से मजदूरों का गर्मजोशी से स्वागत कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में मजदूरों की अहम भूमिका को सराहा और उनके अथक परिश्रम के लिए धन्यवाद भी किया। वक्ताओं ने कहा कि श्रमिक वर्ग हमारे समाज की रीढ़ की हड्डी है और उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। आप पार्टी जिला अध्यक्ष शैलेष कुमार वाईकर ने कहा कि मजदूर केवल ईंट-पत्थर नहीं उठाता, वह राष्ट्र का निर्माण करता है। उसका पसीना केवल उसकी मेहनत नहीं, बल्कि हमारे देश की तरक्की की कहानी है। इसलिए मजदूर का सम्मान करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारा कर्तव्य है। मजदूर भाइयों ने उनको होने वाली समस्याओं से आप पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी को अवगत कराया आप पार्टी के पदाधिकारी ने जल्दी ही प्रशासन से चर्चा कर सभी समस्याओं को निराकरण की बात कही।

# कलेक्टर ने करही की जल प्रदाय योजना का किया निरीक्षण

## करही के तहसील कार्यालय, नगर परिषद, स्वास्थ्य केन्द्र एवं गौशाला की व्यवस्थाएं भी देखी

रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर

करही। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने 01 मई को करही क्षेत्र का भ्रमण कर जल प्रदाय योजना, तहसील कार्यालय, लोक सेवा केन्द्र, नगर परिषद कार्यालय, स्वास्थ्य केन्द्र एवं गौशाला का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान एसडीएम श्री अनिल जैन एवं तहसीलदार श्री पंकज जाट भी मौजूद थे।

### इन्टकवेल एवं फिल्टर प्लांट का कार्य युद्धस्तर पर करने के निर्देश

कलेक्टर सुश्री मित्तल ने नगरीय क्षेत्र करही को पेयजल सप्लाई करने के लिए बनाई जा रही योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम बहेगांव में इन्टकवेल निर्माण एवं बन्डेरा में फिल्टर प्लांट के कार्य को देखा। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन्टकवेल एवं फिल्टर प्लांट का कार्य युद्धस्तर पर किया जाए और इसे समय सीमा में पूर्ण किया जाए। जिससे करही नगरीय क्षेत्र को पेयजल की आपूर्ति सुचारू रूप से की जा सकेगी। उन्होंने इस कार्य के ठेकेदार को भी चेतावनी दिया कि समय सीमा में कार्य पूर्ण नहीं करने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

### आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में करें निराकरण

कलेक्टर सुश्री मित्तल ने करही के तहसील कार्यालय एवं लोक सेवा केन्द्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा और तहसील कोर्ट में चल रहे प्रकरणों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। लोक सेवा केन्द्र को प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि आवेदकों के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जाएगी।

### शहरी क्षेत्र में किये गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश

कलेक्टर सुश्री मित्तल ने नगर परिषद करही के कार्यालय का निरीक्षण किया और पार्षदों एवं कर्मचारियों की मौजूदगी में आम जनता की समस्याओं को भी सुना। इस दौरान उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत खाद्यान्न प्राप्त कर रहे हितग्राहियों की ई-केवाईसी का कार्य समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। इसके साथ उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं स्वनिधि योजना के कार्यों की समीक्षा की और इन योजनाओं के लक्ष्यों की पूर्ति समय सीमा में करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने करही तहसीलदार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सख्त निर्देश दिये कि नगरीय क्षेत्र करही में सड़कों एवं मुख्य मार्गों के किनारे किये गए अतिक्रमण को सख्ती से हटाने की कार्यवाही करें।

### गौशाला में चारे पानी की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

कलेक्टर सुश्री मित्तल ने करही की गौशाला का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने गौशाला के पशुओं के लिए चारे, पानी एवं अन्य व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने पाडल्या के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में साफ-सफाई व स्वच्छता की व्यवस्था को दुरूस्त रखने एवं स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सक सहित समस्त स्टाफ की ड्यूटी समय में उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

# छलपूर्वक हिन्दू लड़कियों से बलात्कार व फसाद...बहुत घिनौना हो रहा है ये लव जिहाद...

क्यों बढ़ रहा है धर्मों के बीच असभ्य विवाद...क्यों करते हैं कुछ तथाकथित लव जिहाद...एक सोची समझी रणनीति का पटाक्षेप...साजिशों के पिटारे निकलता है प्रेम प्रतिक्षेप...प्रेम की आड़ में घिनौना कृत्य बदनाम कर गया...मछली की तरह बालाओं को जाल में फंसाने का नाम कर गया...जिहाद ऐसा शब्द है जिसका अर्थ प्रयास है...इसको संघर्ष बना देने का धार्मिक कयास है...कच्ची उम्र का असर लड़कियों पर सर्वाधिक होता है...जिहादियों का ध्यान बस उसी तरफ अधिक होता है...पहले प्रेमालाप का दाना डालते हैं...किसी के भय का संताप नहीं पालते हैं... चंद अखण्ड फुर्सत में रहने वाले मदरसों के प्रशिक्षित...हिन्दू युवतियों को कैसे फंसाया जाए इसमें होते हैं दीक्षित...अलग अलग क्षेत्रों में अपना पृथक अभियान चलाकर मिशन में लग जाते हैं...तितलियों की तरह रंग बिरंगी नव यौवनाओं को देख अरमान जग जाते हैं...फिर ये पप्पू , बंटी , सोनू , कालू , लालू , भय्यू , मोनू जैसे नाम से पहचान करते हैं...अपने मिशन की तरफ सोशल मीडिया से भी उड़ान भरते हैं...लगातार फीलिंडंग करने वालों का प्रभाव जम जाता है...इनका ध्यान भी किसी ऐसी ही उत्साही लड़की पर थम जाता है...पहले तो दोस्ती , भ्रमण और फर्जी केयर का ढकोसला...फिर लगातार घुमाते फिरते आभामंडल से मानस को कर देते हैं खोखला...एक दिन वो भी आता है जब होटल ले जाया जाता है...अपने वहशी अरमानों के जाल में फंसाया जाता है...लगातार ये सिलसिला फिर आम हो जाता है...गोपनीय करतूत का वीडियो बनाकर कैसे बदनाम हो जाता है...लड़की को अब बदनामी का भयंकर भय सताता है...इसी क्रम में एक , दो , चार जिहादियों का कारवां जुड़ता चला जाता है...अब हथियारों और मारपीट का भी सहारा लिया जाता है...लड़की के पास समर्पण के अतिरिक्त कुछ नहीं बच जाता है...अपनी लूटी - पीटी आबरू को घृणित साजिशों के हवाले कर उसके पास कुछ नहीं रह पाता है...अब शनैः - शनैः लव जिहादी धर्म परिवर्तन का दबाव तक पहुँच जाता है...इस घटना तक पहुँचते - पहुँचते इतना लंबा वक्त हो जाता है...की अपने भविष्य का सोचने हेतु वक्त ही नहीं रह पाता है...सम्मोहन कला में माहिरों के कहने पर रोज़ा रख बुरका पहना जाता है...अब तो उसे यहीं रहकर जीना होगा रह रहकर ये ख्याल आता है...ये कैसा षड्यंत्र स्वतंत्र भारत की चौखट पर हो रहा है...अपनी आबादी बढ़ाने हेतु जालिमों का आपा खो रहा है...बेटियां भी अब मॉडर्न बनने की चाह में मर्यादाएं लांघ रही है...उड़ते परिंदों की तरह अपने लिए आजादी मांग रही है...इकलौती संतानों का मोह उन्हें खुले मैदान में विचरण की इजाजत दे देता है...खुले का खुलापन उनको चहुँओर भ्रमण की आदत दे देता है...यही सिलसिला कालांतर में आफत बनकर आता है...आंगन में चहकती बुलबुल को उड़ाकर ले जाता है...मर्यादित आचरणों के साथ बंदिशों को लागू करना होगा...हिन्दू समाज को भी अब अपनी संतति में इस जिहाद का सच भरना होगा... अच्छे विचारों के साथ जीने वाला समाज शाकाहार से मांसाहार की तरफ क्यों बढ़े... जिन राहों पर जीवन के कांटे हैं उनकी डगमग सीढियां क्यों चढ़े...प्यार कहीं हथियार न बन जाये भावनाओं से खिलवाड़ का...शरीर कहीं अर्पण न हो जाये पंचर वाली जुगाड़ का...सोचो - समझो फिर माता - पिता का मशविरा पाकर निर्णय लो..योग्य व आपके जीवन को संवरने में मददगार हो उसको परिणय पूर्व प्रणय दो...ये हिन्दू समाज पर हो रहा अप्रत्यक्ष आक्रमण है इसको पहचानों...किसी के मोह व मकड़जाल में उलझने से पहले उसको व उसकी बिरादरी को जानो...और लव जिहादियों तुम भी समझ लो अब ये वहशियाना खेल नहीं चलेगा..

# आवरिया ठानी सड़क पर झाड़िया, नगर का चंद्रभागा नदी का रपटा वर्षो से जर्जर

## जनसुनवाई मे शिकायत के बाद भी नही हुआ समस्याओ का निराकरण

**रणजीत टाइम्स**

**संदीप वाईकर बैतूल**

आमला। नगर से आवरिया ठानी मार्ग पर सड़क पर झाड़ियों व संतोषी माता मंदिर रतेड़ा रोड के रपटे के खस्ताहाल होने की शिकायते नागरिकों द्वारा की गई थी लेकिन शिकायतों के निराकरण आज तक नही हो पाए है जिससे आमजनों को परेशानी हो रही है ।नागरिक अमित शर्मा ने बताया आवरिया ठानी सड़क मार्ग पर सोल्डरो के किनारे व मोड़ पर लम्बे समय खरपतवार पनप रही है जिसमे विशैले जीव विचाण करते है। सड़क किनारे सोल्डर पर झाड़िया होने से आवाजाही करने वाले लोगो को दुर्घटनाओ व विषे ले जीवो का शिकार होने का भय बना रहता है। साथ ही इस मार्ग पर लगे स्ट्रीट लाइट भी नही है जबकि यह सड़क मार्ग पर एक किलोमीटर आवरिया मार्ग पर शाम को लोग पैदल आवाजाही करने जाते है जिसमे महिला पुरुष बच्चे शामिल होते है और सुबह भी बड़ी संख्या मे शहर के नागरिक इस मार्ग पर मार्निंग वाक के लिए जाते है जिन्हे सड़क किनारे झाड़ियों से परेशानी होती है।

### खस्ताहाल है वर्षो से रपटा

उल्लेखनीय होगा की रतेड़ा रोड पर संतोषी माता मंदिर के सामने चंद्रभागा नदी पर स्थित ब्रिज रपटा वर्षो से खस्ताहाल है रपटे का फ्लोर उखड़ गया है बड़े बड़े गड्ढे हो गये है जिससे दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओ के शिकार होते है वर्षो से इस रपटे के मेंटेन्स की मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है लेकिन अब तक मेंटेन्स कार्य नही किया गया है नागरिक विक्की पचलनिया ने बताया इस रपटे से 100 गावों के लोग और शहरवासी रोजाना आवाजाही करते है दर्जनों बसे संचालित है लोडिंग वाहन दिन भर चलते है लेकिन रपटे का मेंटेन्स नही करवाया जा रहा है जबकि जनसुनवाई मे 15 अप्रेल को नागरिकों द्वारा

## संपादकीय

# पाकिस्तान पर वार या इंतजार?

पहलगाम हमले को एक हफ्ते से अधिक समय गुजर चुका। इसे लेकर लोगों का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि आतंकवाद और उसे पोसने वाले पाकिस्तान पर नकेल कसने के लिए सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं। घाटी में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई है। जम्मू-कश्मीर सरकार भी सुरक्षा को लेकर सतर्क है। उसने पचास पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है, और ऐसे स्थलों की पहचान की जा रही है, जहां सैलानियों के लिए खतरा हो सकता है। मगर, फिर भी जन-दबाव बना हुआ है कि पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त निर्णय करने का वक्त है।

मगर सरकार कोई भी कदम हड़बड़ी या उत्तेजना में नहीं उठाना चाहती है। सुरक्षा एजंसियों, सेना प्रमुखों और रणनीतिकारों के साथ लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठकें हो चुकी हैं। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद को पुनर्गठित कर दिया है। इसलिए पाकिस्तान को आशंका है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। मगर भारत सरकार इसे लेकर सावधानी बरत रही है, तो उसकी वजहें भी समझी जा सकती हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, उसे कड़ा सबक सिखाया ही जाना चाहिए, मगर इसका तरीका क्या हो, यह जटिल विषय है। यों तो युद्ध किसी भी मसले का हल नहीं हो सकता, पर पाकिस्तान के मामले में इसे लेकर अधिक गंभीरता से विचार करने की जरूरत पड़ती है। असल मुद्दा आतंकवाद को समाप्त करना है। वह युद्ध के बाद समाप्त हो जाएगा, इसका दावा नहीं

किया जा सकता। फिर, भारत हमेशा से युद्ध का विरोध और शांति का समर्थन करता रहा है, अगर वही पाकिस्तान के खिलाफ इसकी पहल करता है, तो उस पर सवाल उठेंगे। इसलिए सरकार तमाम पहलुओं पर ठंडे दिमाग से विचार कर रही है। एक शांतिप्रिय राष्ट्र से ऐसे ही व्यवहार की उम्मीद भी की जाती है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि पहलगाम हमले को लेकर भारत सरकार किसी तरह का ढुलमुल रवैया अख्तियार कर रही है। पाकिस्तान से निपटने की रणनीति बनाते समय इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वहां सेना और सियासी हुकूमत समांतर सत्ता हैं। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत से ऊपर अपनी सत्ता कायम कर रखी है। वही आतंकवाद को पोसती और भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में उसका इस्तेमाल करती है। जबकि पाकिस्तान की माली हालत इस वक्त बहुत बुरी है, आम अवाम दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। मगर पाकिस्तानी सेना का उससे कोई मतलब नहीं है, उसका मकसद केवल अपनी सत्ता कायम रखना है। छिपी बात नहीं है कि भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले करने वाले संगठनों के सरगना वहां सेना के संरक्षण में पनाह पाए हुए हैं। ऐसे में भारत को कोई भी कदम उठाने से पहले इस पहलू पर भी विचार करना पड़ता है कि चोट ऐसी जगह पड़े, जिससे वहां की सेना और खुफिया एजंसी को ज्यादा नुकसान हो। इसी से आतंकवाद पर भी चोट पड़ेगी। पहलगाम हमले के बाद घाटी के लोगों में भी गम और गुस्सा है, दुनिया के बहुत सारे देश पाकिस्तान की निंदा कर चुके हैं। इस तरह भारत के लिए आतंकवाद पर रणनीतिक रूप से चोट करने का अनुकूल वातावरण है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शुक्रवार 2 मई 2025

# राहुल गांधी की अडिग लड़ाई और सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक जीतः जातिगत जनगणना से लेकर नीतिगत सुधारों तक बीजेपी को झुकना पड़ा - जीतू पटवारी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्र सरकार की 2026 की जनगणना के साथ जातिगत जनगणना कराने की घोषणा को सामाजिक न्याय की दिशा में एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक कदम करार देते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की दूरदर्शिता, अथक संघर्ष और जनहित के प्रति उनकी अडिग प्रतिबद्धता की जोरदार प्रशंसा की है। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि राहुल गांधी की उस जुझारू और बुलंद आवाज का परिणाम है, जिसने भाजपा सरकार को बार-बार घुटने टेकने पर मजबूर किया है। मध्यप्रदेश की धरती से हम गर्व के साथ कहते हैं कि राहुल गांधी की यह जीत हर उस ओबीसी, दलित, और आदिवासी के लिए एक नई उम्मीद की किरण है, जो दशकों से अपने हक से वंचित रहा है!

श्री जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना को सामाजिक समानता का आधार बनाकर इसे न केवल राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाया, बल्कि भाजपा की वंचित-विरोधी नीतियों की पोल खोल दी। 2023 से 2024 तक, उन्होंने संसद में, रैलियों में, प्रेस कॉन्फ्रेंस में, और सोशल मीडिया पर इस मु?द्दे को आंधी की तरह उठाया। तेलंगाना के जातिगत सर्वेक्षण को एक पारदर्शी और समावेशी मॉडल के रूप में प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने 50त्न आरक्षण सीमा को हटाने की मांग उठाकर भाजपा की दलित, बिछड़ा वर्ग विरोधी मानसिकता को ललकारा है। यह राहुल गांधी का अडिग संकल्प और मध्यप्रदेश कांग्रेस का साथ था, जिसने भाजपा को इस ऐतिहासिक फैसले के लिए मजबूर किया। हम मध्यप्रदेश की जनता की ओर से राहुल गांधी को इस शानदार जीत के लिए सलाम करते हैं।

श्री पटवारी ने जोर देकर कहा कि जातिगत जनगणना की यह जीत राहूल गांधी की उस सतत लड़ाई का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने बार-बार भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को न केवल उजागर किया, बल्कि उन्हें वापस लेने के लिए बाध्य किया। उन्होंने कुछ प्रमुख उदाहरणों के साथ भाजपा की नाकामियों को उजागर किया:

1. कृषि कानूनों की वापसी (2021)– राहुल गांधी ने कॉरपोरेट-हितैषी तीन कृषि कानूनों को किसान-विरोधी बताकर उनकी जड़ें हिला दीं। उनकी रैलियों और किसानों के साथ एकजुटता ने भाजपा को घेरा, और अंततः 2021 में सरकार को ये काले कानून वापस लेने पड़े। यह राहुल गांधी की किसान-हितैषी राजनीति की जीत थी!

2. अग्निवीर योजना में सुधार (2024)–राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए 3 जुलाई 2024 को लोकसभा में इसका तीखा विरोध किया। शहीद अग्निवीरों के परिवारों के लिए मुआवजा और पेंशन की उनकी मांग ने भाजपा को हिलाकर रख दिया। अगले ही दिन, 4 जुलाई 2024 को सरकार ने मुआवजा शुरू किया और सुधारों की घोषणा की। यह राहुल गांधी की युवा-शक्ति की जीत थी।

3. ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज बिल की वापसी (2024)– राहुल गांधी ने अगस्त 2024 में प्रस्तावित इस बिल को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताकर इसका पुरजोर विरोध किया। उनके नेतृत्व में हुए आंदोलन ने भाजपा को इतना दबाव में ला दिया कि सरकार को बिल वापस लेना पड़ा। यह लोकतंत्र की जीत थी।

4. लेटरल एंट्री भर्ती रद्द (2024)– राहुल गांधी ने सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री को एससी, एसटी, और ओबीसी समुदायों के आरक्षण पर हमला बताकर भाजपा की साजिश को बेनकाब किया। उनके आक्रामक रुख के कारण अगस्त 2024 में सरकार ने 45 भर्तियों को रद्द किया। यह सामाजिक न्याय की जीत थी!

5. रेलवे कुलियों की मांगें (2025)– फरवरी 2025 में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद राहुल गांधी ने रेलवे कुलियों की बदहाली को उठाया। मार्च 2025 में उनकी मुलाकात और संसद में उनकी मांगों ने भाजपा को सुधारों के लिए सोचने पर मजबूर किया। यह समाज के सबसे निचले तबके की जीत थी!

6. जीएसटी दरों में कमी (2024)– राहुल गांधी ने छोटे व्यवसायों और आम जनता पर जीएसटी के बोझ को लेकर भाजपा की आलोचना की। उनके दबाव में 2024 में सरकार ने कुछ वस्तुओं पर जीएसटी दरें कम की और एमएसएमई के लिए राहत दी। यह मध्यम वर्ग की जीत थी।

7. नोटबंदी और कोविड-19 की भविष्यवाणीः राहुल गांधी ने 2016 में नोटबंदी को अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी बताया, जो ऋद्ध की रिपोर्ट से सही साबित हुआ। कोविड-19 लॉकडाउन के आर्थिक प्रभावों की उनकी चेतावनी भी 2020-21 की जीडीपी गिरावट के साथ सत्यापित हुई। यह उनकी आर्थिक दूरदर्शिता की जीत थी।

पटवारी ने भाजपा पर हमला तेज करते हुए कहा, भाजपा की नीतियां हमेशा से कॉरपोरेट-हितैषी और वंचित-विरोधी रही हैं। लेकिन राहुल गांधी ने अपनी बुलंद आवाज और जन-केंद्रित राजनीति से भाजपा को बार-बार झुकने के लिए मजबूर किया। मध्यप्रदेश में ओबीसी, दलित, और आदिवासी समुदायों की बड़ी आबादी है, और जातिगत जनगणना उनके हक को सुनिश्चित करने का एक शक्तिशाली हथियार बनेगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह प्रक्रिया पारदर्शी हो और इसका लाभ मध्यप्रदेश के हर वंचित परिवार तक पहुंचे। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी की यह लड़ाई केवल जातिगत जनगणना तक सीमित नहीं है। वे हर उस मुद्दे पर डटकर लड़ते हैं, जो समाज के कमजोर वर्गों को प्रभावित करता है। मध्यप्रदेश कांग्रेस उनके नेतृत्व में भाजपा की जनविरोधी नीतियों को और बेनकाब करेगी। हम मध्यप्रदेश की जनता से अपील करते हैं कि वे राहुल गांधी के इस विजनरी नेतृत्व का समर्थन करें और सामाजिक समानता, न्याय, और प्रगति के इस यज्ञ में शामिल हों। पटवारी ने चेतावनी दी भाजपा को यह समझ लेना चाहिए कि राहुल गांधी की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उनकी नीतिगत परिपक्वता, सामाजिक संवेदनशीलता, और जनता के प्रति समर्पण ने उन्हें देश का सबसे विश्वसनीय और जुझारू नेता बनाया है। जिस दिन राहुल गांधी जैसे नेता भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे, वह दिन देश और मध्यप्रदेश के लिए समृद्धि, समानता, और खुशहाली का स्वर्णिम युग लाएगा।÷द्य

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी राहुल गांधी के नेतृत्व में एक समावेशी, न्यायपूर्ण, और प्रगतिशील मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए कटिबद्ध है। हम मध्यप्रदेश की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि हम उनके हक की लड़ाई को और मजबूत करेंगे और भाजपा की हर जनविरोधी नीति का डटकर मुकाबला करेंगे।

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में धर्म की मर्यादा हुई तार-तारः मुस्लिम शिक्षकों से हिंदू रीति-रिवाजों से कराए गए फेरे, धार्मिक संगठनों में भड़का आक्रोश, प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

श्योपुर। जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने धार्मिक आस्थाओं और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 30 अप्रैल को आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में प्रशासन द्वारा ऐसा फैसला लिया गया, जिसने पूरे आयोजन को विवादों में ला खड़ा किया। नगर पालिका और जनपद पंचायत द्वारा शहर के हेवी मशीनरी टीनशेड में आयोजित इस समारोह में जब विवाह की पवित्र रस्मों की शुरुआत हुई, तो वहां मौजूद लोगों की आंखें तब फटी रह गईं जब उन्हें पता चला कि पुरोहित की भूमिका निभा रहे लोग किसी धर्मगुरु के बजाय स्कूलों में पढ़ाने वाले मुस्लिम शिक्षक हैं। इस पूरे आयोजन में कुल दस मुस्लिम शिक्षकों की ड्यूटी पंडितों की भूमिका में लगाई गई थी। इन शिक्षकों ने बाकायदा वर-वधू को अग्नि के समक्ष फेरे दिलवाए, वेद मंत्रों का उच्चारण किया और पारंपरिक हवन की प्रक्रिया भी पूरी करवाई। इन नामों में इस्माइल खान, बुंदू खान, शमशाद खान, मुमताज अली, सफदर हुसैन नकवी, गजला नोमानी, इमाम ली, मुनव्वर जहां और नुजहत परवीन जैसे शिक्षक शामिल हैं, जो जिले के अलग-अलग शासकीय स्कूलों में पदस्थ हैं। यह मामला तब तूल पकड़ गया जब स्थानीय हिंदू संगठनों ने इस पर तीखी आपत्ति दर्ज की। संगठनों के पदाधिकारियों ने इसे हिंदू धर्म की परंपराओं और रीति-रिवाजों का खुला अपमान करार देते हुए आरोप लगाया कि प्रशासन ने धार्मिक रीति से जुड़े कार्यों में गंभीर लापरवाही बरती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह ना सिर्फ परंपरा के साथ खिलवाड़ है बल्कि समाज में गलत संदेश देने का प्रयास भी है, जिससे धार्मिक तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है। संगठनों की मांग है कि जिन अधिकारियों ने यह निर्णय लिया, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसका लिखित आश्वासन दिया जाए। प्रशासन पर यह सवाल भी उठ रहा है कि जब हिंदू विवाह की प्रक्रिया विशिष्ट धार्मिक ज्ञान और मंत्रोच्चारण की मांग करती है, तब ऐसे व्यक्तियों को, जिनकी न तो धार्मिक पृष्ठभूमि है और न प्रशिक्षण, उन्हें इस कार्य के लिए क्यों चुना गया? क्या यह लापरवाही है या प्रशासनिक अनदेखी, या फिर किसी तरह का जानबूझकर उठाया गया विवादित कदम? इस घटना ने सरकारी आयोजनों में धार्मिक परंपराओं की शुद्धता और गरिमा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। फिलहाल, जिला प्रशासन की ओर से इस विवाद पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन जनदबाव के चलते संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही इस पर सफाई दी जाएगी। सूत्रों का मानना है कि शिक्षकों को केवल ड्यूटी पर नियुक्त किया गया था, लेकिन विवाह रीति निभाने का दायित्व उन्हें सौंपा गया या उन्होंने खुद यह जिम्मेदारी निभाई – इस पर स्थिति स्पष्ट नहीं है। यह विवाद केवल एक आयोजन की प्रक्रिया पर नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं की संवेदनशीलता, धर्मनिरपेक्षता और परंपरागत धार्मिक मर्यादाओं के बीच संतुलन की विफलता को भी उजागर करता है। अब सभी की नजरें प्रशासन की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं कि क्या वह इस विवाद को सुलझाने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगा, या फिर यह मामला भी समय के साथ दब जाएगा।

## दहेज के लालच में हैवानियत की सारी हदें पारः पन्ना में महिला को जलाया, फिर पिलाया जहर, पति-सास-ससुर पर हत्या की कोशिश का आरोप

**पन्ना।** जिले से एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है, जिसने समाज को एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आज भी दहेज जैसी सामाजिक बुराई कितनी खतरनाक और क्रूर शक्ल ले सकती है। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नवविवाहिता ने आरोप लगाया है कि उसके पति, सास और ससुर ने मिलकर न केवल उस पर गरम तेल डालकर उसे बुरी तरह झुलसा दिया, बल्कि जान से मारने की नीयत से उसे ज़हर जैसा कोई तरल पदार्थ भी पिला दिया। पीड़िता अर्चना द्विवेदी (26), जिनकी शादी महज दस महीने पहले 12 जून 2023 को सुधर्म द्विवेदी से हुई थी, अब अपने छोटे से जीवन में ही वो भयावह यातनाएं झेल चुकी हैं, जिनका शायद कल्पना करना भी कठिन है। पीड़िता की छह माह की एक बेटी है, और इस बच्ची के सामने ही उस पर वह क्रूरता की गई, जिसे सुनकर रूह कांप जाए। अर्चना का आरोप है कि शादी के कुछ ही समय बाद उसके पति, सास केतकी द्विवेदी और ससुर राजा भईया द्विवेदी ने उस पर कार लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। जब उसने यह बात अपने मायके वालों को बताई, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पहले ही 16 लाख रुपये से अधिक का दहेज दे चुके हैं और अब कार देने की स्थिति में नहीं हैं। इस इनकार के बाद अर्चना के लिए उसका ससुराल नरक बन गया। रोजाना मारपीट, गालियां और अपमान उसका दैनिक जीवन बन गया। लेकिन 27 अप्रैल की शाम जो कुछ हुआ, उसने अर्चना की जिंदगी को लगभग समाप्त ही कर दिया। अर्चना जब रसोई में खाना बना रही थी, तब उसकी सास केतकी ने अचानक गरम तेल की कड़ाही उठाकर उसके ऊपर उड़ेल दी, जिससे उसका बायां हाथ बुरी तरह झुलस गया। दर्द से तड़प रही अर्चना को उपचार तो नहीं मिला, उल्टा दो दिन बाद 29 अप्रैल को उसे जबरन कोई जहरीला पदार्थ – संभवतः फिनायल – पिलाकर जान से मारने की कोशिश की गई। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस को इस घटना की जानकारी अस्पताल से मिली और तत्काल प्रभाव से अर्चना की शिकायत पर उसके पति, सास और ससुर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया। पन्ना के पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा ने बताया कि पीड़िता को गंभीर चोटें आई हैं और फिलहाल मामले की गहराई से विवेचना की जा रही है। संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और डोमेस्टिक वायलेंस से लेकर हत्या के प्रयास तक सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि दहेज के नाम पर बेटियों की जिंदगी आज भी कितनी सस्ती समझी जाती है। समाज को यह सोचने की जरूरत है कि सिर्फ कानून बनाना काफी नहीं है, जब तक कि मानसिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक ऐसी क्रूर घटनाएं होती रहेंगी। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि प्रशासन और न्याय व्यवस्था इस पीड़िता को कितना न्याय दिला पाती है, और क्या ऐसे अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी या यह मामला भी किसी और केस की तरह न्याय की प्रतीक्षा में लंबी फाइलों में दब जाएगा।

# हमें हम से ही बचाने वाली इम्युनिटी दे दो

एकक फिल्म देखने बैठो तो तो संग-संग दूसरी चलती हैं। दो-एक नहीं कई। रघु पलट-पुष्पा पलट की पुस्तक द केस देट शूक द अंपायर पर आधारित नई फिल्म केसरी चेप्टर 2 देखते समय यही हुआ। पुस्तक के लेखक द्वय फिल्म के वास्तविक नायक शंकरन नायर के पड़पोते-बहू है। शेष दुनिया को कभी नहीं सूझी कि इस अब तक दबे पड़े सच को बाहर लाया जाये, जबकि वे 1897 के अमरावती अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गये थे। यह और उनके कई योगदान फिल्म में शायद इसलिये नहीं बताये गये कि फिल्म में समय और विषय की सीमाये होती हैं। 1930 में वे राजनैतिक सक्रियता छोड़ चुके थे। जलियांवाला बाग सहित हमारा पूरा स्वतंत्रता संग्राम साधारण नागरिकों के साथ साथ कविता, पत्रकारिता, चित्रकला, वकालत आदि के उपासकों के साहस और बलिदानों की कथाओं से भरा पड़ा है। पहले भी कह चुका,जीवन प्रारंभ से अंत तक संयोगों की कहानी है। सो अमृतसर के जलियां वाला बाग हो कर आए अभी मुझे दो महीने भी नहीं हुए और सामने थी ये फिल्म, परदे पर उस भयावह नृशंसता और उसके बाद का पूरा सच ले कर। हालांकि फिल्म के अंत और नायक द्वारा प्रयुक्त कुछ शब्दों में फेरबदल है। फिल्म के अंत उपरांत जलियांवाला बाग के शहीदों के नामों की सूची पर्दे पर चलती है, रूक कर उसे पढ़ियेगा तो मरने वालों के अलग अलग धर्मों का पता चल जायेगा।

**सुधीर मोता**

अंग्रेज़ों की चिंता के मूल में डिवाइड एंड रूल के अपने मूल मंत्र के ध्वस्त होने का डर तीन दिन पूर्व याने 10 अप्रैल 2019, रामनवमी पर निकले जुलूस से उपजा था जिसमें हर धर्म के लोग शामिल थे और जिसके मूल में एडवोकेट सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल नामक नेताओं की गिरफ्तारी के प्रति बढ़ता रोष था। ये पंक्तियां लिखते लिखते मैं ब्रिटेन में जन्मी पली अनीता आनंद लिखित अंग्रेज़ी पुस्तक -द पेशेंट असेसिन ( धैर्यवान वधिक ) द ट्रू स्टोरी ऑफ मेसाकर, रिवेंज एंड इंडियाज़ क्रेस्ट फॉर इंडिपेंडेंस के पन्ने पलट गया -दलित वर्ग के दो बच्चे पहले अपनी माता और फिर पिता की मृत्यु के बाद खालसा अनाथालय में पले। वहां साधु और शेरसिंह नाम के इन बच्चों को नये नाम दिये गये मुक्ता और उधमसिंह। जलियांवाला बाग में गोलीबारी का आदेश देने वाले थे रेगिनाल्ड डायर और उस समय पंजाब के लेफ्टिनेंट गवर्नर थे माइकेल डायर। इनमें से माइकल डायर को 21 साल के धैर्य और प्रयासों के बाद उधमसिंह ने 1940 में लंदन जा कर मौत के घाट उतारा। वैसे यह सब इस फिल्म में नहीं है इसके लिये तो उधम सिंह पर बनी अन्य फिल्म हमें देखनी होगी या किताबें पढ़नी होंगी। केसरी फिल्म उस न्यायिक संघर्ष की कथा कहती है जो न किया गया होता तो सच सामने नहीं आता।

देश की आज़ादी के लिये कितना रक्त बहा यह हम सब महसूस तो कर सकते हैं पर अब उस तरह नहीं। समय बीतते बीतते हम अपने निजी संघर्ष तक भूलने लगते हैं तो पुरखों ने जो किया उसके बारे में स्मृति लोप होता जाये तो क्या अचरज। मैं फिल्म देखते समय विभाजन समय की बातें सोच रहा था जो अमृतसर के पार्टीशन म्यूजियम में देख आया। स्वाभाविक रूप से अटारी बार्डर की उसी दिन देखी परेड भी याद आई। संग-संग हाल ही में कश्मीर में बीती क्रूर घटना याद हो आई। घटना अभी अभी की है इसलिये और भी गहराई से दिलो दिमाग पर चस्पा है। साम्राज्यवाद और विस्तारवाद ने सबसे अधिक कहर ढाया मानवता पर। हम भी तो धर्म और धर्मग्रंथों की कथित अस्मिता के लिये लड़ मरते हैं उन पवित्र पुस्तकों के भीतर जो है उसके लिये अपने आप तक से नहीं लड़ सकते। कश्मीर की घटना, सुरक्षा और कड़ी होती तो शायद ना होती, यह सच है, पर कब तक हम बंदूक के साये में इबादत उपासना त्यौहार पर्यटन मन-रंजन करने को मजबूर रहेंगे। कब तक हम इस भय में जियेंगे कि कभी भी मारे जा सकते हैं?

यह सब कब से होता आ रहा है। संवत, सन्, हिजरी, बीसी, एडी, 1560, 1947, 1971, 1962, 1965, 1984,1990, .... हम सब कुछ याद कर लिख सकें यह संभव नहीं। इसमें खोया तो बहुत कुछ गया पर पाया उन्होंने भी कुछ नहीं जिनके पास हथियार थे। जमीन के लिये, हवस के लिये, भाषा के लिये, धर्म के लिये कितना कुछ हुआ। सब से ऊपर हो सकने की भविष्य के गर्त में दबी किसी संभावित चाह के लिये वर्तमान के गलीज भयग्रस्त कूड़े करकट में जी रहे हैं। कौन-सी पीढ़ी को कब जा कर सुखी, शांत, निश्चिंत साम्राज्य मिल भी सकेगा? किसी को नहीं पता।

प्रकृति जिसे हम अपने अपने धर्म पंथ संप्रदाय के अंतर्गत अलग अलग तरह से संबोधित करते हैं जो कि वास्तव में तो हमारी मातृभाषा या अपनाई गई भाषा के कारण अलग अलग नाम है, ने हमें भरपूर सुरक्षा दे कर भेजा है। विज्ञान इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता कहता है। खरोंच लगने पर खून का थक्का बन जाता है। जैसे एक दुर्ग। गले में टांसिल दिये गये हैं। बलगम कीटाणुओं को लपेट कर बाहर फेंक देता है। प्रकृति ने हमारे मन और मस्तिष्क के साथ भी यह किया है। अच्छे और विपरीत समय में संतुलन की सीमा में रहना। क्रोध या प्रतिक्रिया के समय अपने आप को हद से बाहर न जाने देना आदि। प्रकृति ने हमारी सीखने और कुछ न कुछ नया बनाने की क्षमता देखते हुए और जीवों पर राज करने की छूट दे दी पर कुछ शर्तों के साथ। हम आज ए आई तक आन पहुंचे हैं तो जैसे केलकुलेटर के कारण स्वतः जोड़ घटाना भूल चुके वैसे ही प्रकृति हम से एवज में कुछ छीन लेने वाली है।

हमने प्रकृति को अपनी भाषा की स्थानीयता या गुरूओं, उस्तादों के बताये अनुसार अलग अलग भाषा में पुकारना तो सीख लिया पर प्रकृति या ईश्वर नामक नियंता को अपने काम में हजारों साल लगते हैं तब हम तुम जैसा दो पैरों पर चलने और दो हाथों से नये नये आविष्कार कर सकने वाला नमूना तैयार होता है। उधर उस के काम में हम तुम ही कितना खलल, व्यवधान डालते हैं। प्रकृति कहती है - तुमने हथियार, दवायें, दुर्ग बना लिये। अब तुम जानो तुम्हारा काम।

मुझे प्रकृति या जिस भी नाम से जिसे हम-आप अपने गले लगाये रखने का भ्रम रखते हैं, से बहुत शिकायत है। क्यों हमारे भीतर ऐसी प्रतिरोध प्रणाली विकसित नहीं की जिससे हम जीवन के निज का आनंद ले सकने से भटकाते अपने भीतर और आसपास के रोगों को परास्त कर सकें। मेरी शिकायत पर, मुझे पता है उसका जवाब क्या होगा। वह कहेगी तुम्हारे भीतर कामनाओं की नदी इसलिये विकसित होने दी कि तुम्हें भटकना ना पड़े , इसलिये नहीं कि तुम इतने पिपासु होते जाओ कि मुझे ही विस्थापित कर स्वयं को ही सब कुछ मानने लगो। मुझे उसके इस उत्तर पर एक और प्रश्न सूझ आयेगा जिस के लिये शर्मिंदा हूं पर क्या करूं। हम कई बार माता पिता से भी तो ऐसे सवाल पूछ लेते हैं उनकी मजबूरी और सीमायें जाने बिना। मैं पूछूंगा। हमारे भीतर घुस आते विस्तारवाद और अतार्किता को रोक सकने की सुरक्षा क्यों नहीं बनाई ? हमें सुंदरता देख उसे किसी भी हद तक जा कर हड़पने की कामनायें रूकें ऐसी सुरक्षा क्यों नहीं दी ? हमें अपने घर के बाद गांव नगर देश जंगल दुनिया सब कुछ जीतने की हवस से लड़ने की क्षमता क्यों नहीं दी ? यह देह की चाहतें मन की और मन की पिपासायें देह की होते हुए हमें ही क्यों हरा देती हैं ? मुझे आपसे शिकायत है आपसे बहुत बड़ा सिक्युरिटी लेप्स हुआ है। बड़ी सुरक्षा चूक हुई है आपसे। शायद हम कैंसर जैसे रोग को जीत लें , पर उसे देह में आने से रोक लें यह मुश्किल लगता है क्योंकि उधर हमारा ध्यान नहीं है। यह सब कुछ वैसा ही लग रहा।

कैसे लोग हैं हम ! प्रकृति में बिखरी सुंदरता का आनंद लेने के लिये पैसा खर्चते हैं, यात्रायें करते हैं, हमारी सुरक्षा की जवाबदेही निभाती उसमें कई बार चूकती भी सेनायें, सत्तायें हैं। जिसे इसी स्वर्ग में रहने का वरदान मिला हुआ वह खच्चर हांकता और पिठ्ठू बन कर बोझा ढोता फिर रहा। उसकी निर्धनता, लालच, नादानी, या अल्पज्ञता उसे आसानी से हांका जाने वाला मोहरा बना देती है। उसके पास प्रकृति की गोद, पुरखों के रचे अनूठे वाद्य, लोकगीत, संगीत, नृत्य, भाषायें इतना सब कुछ तो है। पर अब उसकी अपनी जवानी और बच्चों का बचपन यौवन ऐसे इंतजार में ही बीत जाने वाला है जिसके पूरा होने की कोई संभावना हो भी तो कब किस पीढ़ी को उसका कथित लाभ मिलेगा पता नही।

हे प्रभु, मां, पिता, प्रभु, गॉड, ईश्वर, रब, खुदा, गुरू, उस्ताद आप को किसी नाम से भी बुला लें हम, आप ने ही हमें समझने में भूल की है। हमसे जो शक्ति छीनना है छीन लो हमें हम से ही जो बचा सके वह इम्युनिटी दे दो। सिक्युरिटी लेप्स आप से हुआ है। आप रूलर हो स्कूल में छड़ी या रूलर ले कर डराने या पीटने जैसा कुछ भी करो। हम से नहीं होगा, आप कर सको तो करो। जलियांवाला बाग हो या कश्मीर की वादियां इन जैसी सारी जगहों और दुनिया भर में बंदूक की लिबलिबी दबाने और उन्हें कंट्रोल करने वाले आकाओं को कंट्रोल करो। हमें अपने आप से सुरक्षा ना दे सको तो बुद्धि विवेक ही दे दो, उन्हें भी, हमें भी।

# प्लेऑफ से बाहर होने के बाद धोनी ने बताई टीम की कमी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सीजन में अब तक तो कुछ भी अच्छा नहीं घटा है। ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद एमएस धोनी टीम के कप्तान बनाए गए, लेकिन उनके कप्तान बनने के बाद भी टीम के खराब प्रदर्शन पर कोई फर्क नहीं पड़ा और टीम को एक के बाद एक लगातार हार मिलती रही। सीएसके को अब इस सीजन के 10वें लीग मैच में भी पंजाब किंग्स के हाथों 4 विकेट से हार मिली। हालांकि इस मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का स्कोर बुरा नहीं था और इस टीम ने 190 रन बनाए थे, लेकिन अपने घर में यानी चेपक में ये टीम इस स्कोर को डिफेंड करने में कामयाब नहीं हो पाई। पंजाब से मिली हार के बाद सीएसके अब प्लेऑफ की होड़ से आधिकारिक तौर पर बाहर हो चुकी है और इस टीम के पास मौका है कि अगले 4 मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंकतालिका में अपनी स्थिति को सुधारे। सीएसके को पंजाब ने जैसे ही हराया वो इस टीम का इस सीजन में घरेलू मैदान पर 5वीं हार थी। इसके बाद टीम के कप्तान एमएस धोनी ने पंजाब के खिलाफ मिली हार का कारण गिनाया।

### धोनी ने टीम की बैटिंग और फील्डिंग पर उठाए सवाल

धोनी ने हार के बाद कहा कि मुझे लगता है कि बल्लेबाजी, हां पहली बार हमने बोर्ड पर पर्याप्त रन बनाए, लेकिन क्या यह पार स्कोर था। मुझे लगता है कि हमने कुछ कम स्कोर बनाए, लेकिन मुझे लगता है कि हम थोड़ा रन और बना सकते थे। मुझे लगता है कि हमें अपने कैच पकड़ने की जरूरत है। यानी धोनी ने टीम की बल्लेबाजी और फील्डिंग पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे कहा कि हमने आखिरी की 4 गेंदें नहीं खेली और 19वें ओवर में 4 विकेट गंवा दिए। इस तरह से मैचों में 7 गेंदें बहुत अहम होती हैं।

### ब्रेविस को बताया टीम का असेट

धोनी ने पिच के बारे में कहा कि ये हमारे घरेलू मैदान पर अब तक का सबसे अच्छा विकेट था और यही वजह है कि मुझे लगा कि हमने 15 रन कम बनाए। उन्होंने कहा कि सैम करन और डेवाल्ड ब्रेविस के बीच अच्छी साझेदारी हुई। ब्रेविस मध्यक्रम में रन को गति देने का काम करते हैं और वो शानदार फील्डर भी हैं। वो टीम के लिए एनर्जी लेकर आते हैं और वो जिस तरह से खेल रहे हैं वो आगे चलकर सीएसके के लिए एक असेट बन सकते हैं।

# पाकिस्तान के अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक, ओलंपिक चैंपियन क्यों आए लपेटे में

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत में नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों का यह संदेश मिल रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। भारत ने पाकिस्तान के कई एथलीट्स, क्रिकेटर्स और टीवी कलाकारों के यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है। इसी कड़ी में ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम भी इसके लपेटे में आ गए हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद एक कानूनी अनुरोध के कारण भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। भारत में नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों का यह संदेश मिल रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया। कानूनी अनुरोध पर क्लिक करने पर लिख कर आ रहा, हमें इस अकाउंट को प्रतिबंधित करने के लिए एक कानूनी अनुरोध प्राप्त हुआ। हमने अपनी नीतियों के विरुद्ध इसकी समीक्षा की और एक कानूनी और मानवाधिकार मूल्यांकन किया। समीक्षा के बाद हमने उस स्थान पर सामग्री तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया जहां यह स्थानीय कानून के विरुद्ध है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इस आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कई सख्त फैसले लिए, जिसमें से एक भड़काऊ और संवेदनशील सांप्रदायिक सामग्री फैलाने वाले कई पाकिस्तानियों के यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रतिबंध भी शामिल है।

# श्रेयस अय्यर को झटका, सीएसके के खिलाफ आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का जुर्माना लगा सीएसके

**चेन्नई, एजेंसी।** पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 49वें मैच के दौरान पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया। यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत पंजाब का सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघन से संबंधित है, इसलिए 30 वर्षीय खिलाड़ी पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

अय्यर ने घर से बाहर भी अपना प्रदर्शन जारी रखा। वहीं, प्रभसिमरन सिंह का अर्धशतक और युजवेंद्र चहल की हैट्रिक भी अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन रहे जिससे पंजाब ने चेपाक में चार विकेट से जीत के साथ ष्ट्स्च् को प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। सुपर किंग्स पर अपनी टीम की जीत के बाद पंजाब स्थित फ्रैंचाइजी के कप्तान अय्यर ने रन-चेज के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए कहा कि जब बोर्ड पर बड़ा स्कोर होता है तो वह बहुत खुश होते हैं। मैच के बाद अय्यर ने कहा, मुझे किसी भी क्षेत्र में पीछा करना पसंद है। मुझे लगता है कि जब भी बोर्ड पर बड़ा स्कोर होता है तो मैं बहुत खुश होता हूं और आपको टीम के लिए चार्ज और गति लेने की जरूरत होती है ताकि बाकी बल्लेबाज आकर पूरी ताकत से खेल सकें। अपने खराब होम रन के बारे में जिसमें वे अभी तक अर्धशतक नहीं बना पाए हैं, उन्होंने कहा, मैं इसे [अपने विदेशी फॉर्म] कोसना नहीं चाहता और बस वर्तमान में रहना चाहता हूं और गेंद पर प्रतिक्रिया करना चाहता हूं।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कहां खेल रहा हूं। मैं बस अपने दृष्टिकोण के साथ खेलता हूं। कभी-कभी यह काम करता है, और कभी-कभी नहीं। हाल ही में मैं नेट्स में बहुत बल्लेबाजी कर रहा हूं और तेज गेंदबाजों का सामना कर रहा हूं, खासकर नई गेंद से और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिस पर मैंने काम किया है। और जब भी मैं मैदान पर जाता हूं तो मेरा रवैया कुछ ऐसा होता है जिसे मैं ऊंचा रखता हूं। इसलिए मुझे लगता है कि ये सभी छोटे बॉक्स टिक किए गए हैं और यह देखने लायक है।



# मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका, आईपीएल 2025 से बाहर हुआ ये खिलाड़ी, धोनी भी हो गए थे कायल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल2025 के बीच मुंबई इंडियंस को तगड़ा झटका लगा है. दरअसल, टीम के युवा लेफ्ट आर्म स्पिनर विग्नेश पुथुर पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. इंजरी की वजह से वो इस सीजन बचे हुए मुकाबले नहीं खेल पाएंगे. उन्होंने मार्च में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया था. पुथुर ने अपने पहले मुकाबले में ही कहर बरपा दिया था. इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे पुथुर ने 3 बड़े शिकार किए थे. एमएस धोनी भी उनकी गेंदबाजी देखकर काफी प्रभावित हुए थे. मैच के बाद धोनी ने उनके पास जाकर उनकी तारीफ की थी. एमआई ने लेग स्पिनर रघु शर्मा को पुथुर के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है. विग्नेश पुथुर की इंजरी को लेकर एक बयान जारी किया है. इसके मुताबिक, पुथुर बोन स्ट्रेस रिएक्शन का शिकार हुए हैं. उनके दोनों पिंडलियों में ये समस्या है. इसलिए उन्हें पूरे सीजन के लिए बाहर किया गया है और अब एक भी मैच नहीं खेल पाएंगे. फ्रेंचाइजी ने इस मुश्किल समय में 22 साल के इस खिलाड़ी के लिए अपना सपोर्ट दिया है. वो टीम के साथ अभी भी जुड़े रहेंगे. अब विग्नेश मुंबई इंडियंस की मेडिकल और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग टीम की देखरेख में अपनी रिकवरी और रिहैब पर ध्यान पर ध्यान देंगे.

### रघु शर्मा टीम में शामिल

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के बचे हुए मैचों के लिए चोटिल विग्नेश पुथुर की जगह लेग स्पिनर रघु शर्मा को साइन किया है. जालंधर के रहने वाले 32 साल के दाएं हाथ के लेग स्पिनर रघु पंजाब और पुडुचेरी के लिए खेल चुके हैं. फिलहाल घरेलू क्रिकेट में वो पुडुचेरी का प्रतिनिधित्व करते हैं. रघु शर्मा ने फर्स्ट क्लास में 11 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 19.59 की औसत से 57 विकेट चटकाए हैं. उन्होंने लिस्ट ए के 9 मैचों में 14 विकेट और 9 टी20 मैचों में 3 विकेट हासिल किए हैं. रघु पहली बार आईपीएल में उतरने जा रहे हैं.

# बारात लेकर अस्पताल पहुंचा दूल्हा, ओपीडी में लिए सात फेरे

## दुल्हन को गोद में उठाकर निभाई शादी की रस्में, अगला शुभ मुहूर्त दो साल बाद था

**राजगढ़ (एजेंसी)।** राजगढ़ जिले के ब्यावरा में अक्षय तृतीया पर एक अनोखी शादी देखने को मिली। दूल्हा बारात लेकर किसी मैरिज गार्डन या घर नहीं, सीधे अस्पताल पहुंचा। यहां भर्ती अपनी मंगेतर को गोद में उठाकर सात फेरे लिए। ओपीडी वार्ड में शादी की सारी रस्में निभाई गई। दरअसल, ब्यावरा की परम सिटी कॉलोनी में रहने वाले ठाकुर वीरेंद्र सिंह बैस के बेटे आदित्य सिंह की शादी 30 अप्रैल को कुंभराज के रहने वाले ठाकुर बलवीर सिंह सोलंकी की बेटी नंदिनी से तय थी। शादी से 7 दिन पहले नंदिनी की तबीयत बिगड़ गई थी। तब से वह एक नर्सिंग होम में भर्ती थी, इसलिए सारी रस्में अस्पताल में हुईं।

### दुल्हन के घर की तरह सजा अस्पताल

अस्पताल को दुल्हन के घर की तरह सजाया गया। अस्पताल के गेट पर बारात की अगवानी की गई। इसे देखने के लिए परिसर में लोगों की भीड़ लग गई। रात 1 बजे ओपीडी वार्ड में मंडप सजा। रिश्तेदारों ने दोनों पर फूल बरसाए। दूल्हे आदित्य ने दुल्हन नंदिनी को गोद में उठाकर सारी रस्में निभाई। सभी ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। दरअसल, परिजन के अनुसार आदित्य और नंदिनी का विवाह अक्षय तृतीया के दिन तय हुआ था। इसके बाद विवाह का योग 2 साल बाद था। नंदिनी की तबीयत खराब होने के कारण दोनों पक्ष के लोग परेशान थे। ऐसे में सभी ने निर्णय लिया कि विवाह को न टाला जाए और अस्पताल में ही शादी कराई जाए। परिजन ने जब अस्पताल मैनेजमेंट से बात की तो वह भी खुशी-खुशी राजी हो गए। अस्पताल के संचालक डॉ. जेके पंजाबी ने बताया कि दुल्हन को 7 दिन पहले यहां भर्ती कराया था। उसकी तबीयत अधिक खराब थी। दो दिन पहले उसकी तबीयत में सुधार हुआ। परिजन को हमने बताया कि वह अभी चल फिर नहीं सकती, कमजोर है। ऐसे में परिवारजनों ने अस्पताल परिसर में ही विवाह करने का निर्णय लिया तो हमने भी इस निर्णय का स्वागत किया।

# पहलगाम हमले की नहीं होगी न्यायिक जांच

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को जमकर लगाई फटकार, खारिज की याचिका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की न्यायिक जांच से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकारा। कोर्ट ने कहा कि, यह संवेदनशील समय है। पूरा देश एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। क्या आप सिक्योरिटी फोर्स का मनोबल गिराना चाहते हैं। ऐसी याचिकाएं कोर्ट में मत लाइए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ऐसी जनहित याचिकाएं दायर करने से पहले जिम्मेदारी से काम लें। देश के प्रति भी आपका कुछ कर्तव्य है। आप रिटायर्ड जज से जांच करने के लिए कह रहे हैं। हम जांच (आतंकी हमले) के एक्सपर्ट कब से बन गए। हमारा काम केवल फैसला सुनाना है।

हालांकि कोर्ट ने कहा, स्टूडेंट की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर हाईकोर्ट जा सकते हैं। इसके बाद तीन याचिकाकर्ताओं में से एक ने याचिका वापस ले ली। जनहित याचिका कश्मीर के रहने वाले मोहम्मद जुनैद ने दायर की थी। याचिकाकर्ताओं में फतेश कुमार साहू और विकी कुमार का भी नाम है।

**पहलगाम हमला**

# बदले का 'ऐक्शन' प्लान तैयार

- पांच तरीकों से पाकिस्तान पर 'स्ट्राइक' करेगी भारतीय सेना
- भारत में बैठकों का दौर जारी, पाकिस्तान पर होगा तगड़ा ऐक्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पहलगाम हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार कूटनीतिक दांव के जरिए लगातार पड़ोसी मुल्क पर स्ट्राइक में जुटी है। वहीं पाकिस्तान को डर इस बात का है कि भारत आने वाले दिनों में उस पर सैन्य कार्रवाई भी कर सकता है। ऐसा ही दावा खुद पाकिस्तान के मंत्री भी कर रहे हैं। भले ही पड़ोसी मुल्क की ओर से बयानबाजी जारी हो लेकिन भारत सरकार हड़बड़ी में कोई फैसला नहीं लेना चाहती है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा राजनाथ सिंह लगातार बैठकें कर रही हैं। यही नहीं पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमिटी ऑफ सिक्योरिटी की एक हफ्ते में दूसरी बैठक भी हुई।

### पाकिस्तान पर स्ट्राइक की सेना की फुल तैयारी

पहलगाम को लेकर जिस तरह से केंद्र सरकार अलर्ट मोड पर है और पीएम मोदी ने भारतीय सेना को जवाबी कार्रवाई के लिए फ्री हैंड दिया है, वो सामान्य बात नहीं है। भारत के इसी रुख की वजह से पाकिस्तान की नींद उड़ी हुई है। चर्चा तो ये भी कि भारतीय सेना ने पहलगाम हमले पर ऐक्शन को लेकर पूरा प्लान तैयार कर लिया है। इंडियन आर्मी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। हालांकि, भारत अभी कोई बड़ा युद्ध नहीं चाहता। बावजूद इसके चर्चा है कि भारत एलओसी पार किए बिना ही पाकिस्तान को तगड़ी चोट पहुंचाने की प्लानिंग में है। भारत के पास लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें हैं।

- तोप, मोर्टार, एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल से अटैक- एक्सपर्ट की मानें तो भारत कार्रवाई के दौरान सबसे पहले पाकिस्तानी सेना की पोस्ट और टेरर लॉन्च पैड्स को अपना निशाना बना सकती है। इसके लिए 155 एमएम की तोपों, 120 एमएम के मोर्टार और एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों का इस्तेमाल किया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि एलओसी पार किए बिना ही लंबी दूरी की मिसाइलों से पाकिस्तान की सेना और उसके ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया जा सकता है। हवाई हमला भी एक अच्छा विकल्प है। हालांकि, इससे स्थिति और बिगड़ सकती है। खबर ये भी है कि पाकिस्तान के पास 155 एमएम के तोप के गोलों की कमी हो गई है। वह अपने तोप के गोलों को यूक्रेन भेज रहा है। यह काम वह तीसरे देशों के जरिए पैसे कमाने के लिए कर रहा है। कहा ये भी जा रहा कि भारतीय सेना पाकिस्तान में घुसकर भी अटैक कर सकती है। सर्जिकल स्ट्राइक भी किया जा सकता है। सितंबर 2016 में भी भारत ने एलओसी में स्ट्राइक की थी।

# सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का है सशक्त माध्यम

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले-कल्याणियों का पुनर्विवाह एक पवित्र कार्य
- सामाजिक समरसता का महाकुंभ मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह समारोहः भार्गव
- एमपी के सागर जिले के गढ़ाकोटा में 3,219 नव दंपत्ति बंधे परिणय सूत्र में

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे सनातन धर्म में सभी की सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की गई है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। विवाह में सिर्फ वर-वधू का विवाह नहीं बल्कि दो परिवारों और कुटुम्बों का मिलन भी होता है। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता का यह सपना होता है कि उसकी बेटी का, उन्होंने जितने अच्छे से लालन-पालन किया उससे अच्छा लालन-पालन और प्यार उसे ससुराल में मिलेगा। इस विश्वास के साथ ही बेटी के माता-पिता उसे वर को सौंपते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के गढ़ाकोटा में 23वें वृहद सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में 3 हजार 219 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समारोह में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मंत्री लखन पटैल, सांसद सागर संसदीय क्षेत्र श्रीमती लता वानखेडे, दमोह सांसद राहुल सिंह, पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव, पूर्व मंत्री एवं विधायक जयंत मलैया, विधायक प्रदीप लारिया, विधायक ब्रज बिहारी पटैरिया, पूर्व विधायक श्रीमती पारुल साहू, पूर्व मंत्री रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव, श्रीश्री 108 श्री किशोरदास जी महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, नगर निगम अध्यक्ष वृन्दावन अहिरवार, जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, जिला अध्यक्ष श्रीमती रानी पटैल,अभिषेक दीपू भार्गव, डॉ. अनिल तिवारी, शैलेश केसरवानी ने भी नव दंपत्तियों को वैवाहिक जीवन के शुभारंभ पर आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे विश्वास है कि वर पक्ष के परिवार बहू को बेटी के समान ही प्यार और सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि गढ़ाकोटा में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में निकाह के साथ पुनर्विवाह भी हो रहे हैं।

### सामाजिक समरसता का बड़ा महाकुंभ है मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोहः भार्गव

रहली विधायक एवं पूर्व श्री भार्गव ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कन्यादान महादान है, कन्यादान करने से मोक्ष प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि 23 वर्ष पहले प्रारंभ किया गया यह कार्यक्रम जीवन के अंतिम क्षण तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका रहली की जनता के साथ पीढ़ियों का रिश्ता है। विधायक श्री भार्गव ने कहा कि धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक महाकुंभ में आज 3 हजार 219 से अधिक नवदंपत्तियों ने सात फेरे लिए हैं। मुझे अब तक 28 हजार से अधिक बेटियों का कन्यादान का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन की अंतिम सांस तक बेटियों का कन्यादान करने का सिलसिला चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि कन्यादान विवाह समारोह समाज से भेदभाव मिटाने का कार्य भी कर रहा है। विधायक श्री भार्गव ने कहा कि मैंने अपने इकलौते बेटे अभिषेक दीपू भार्गव का विवाह भी इसी महाकुंभ में सभी वर्गों एवं विभिन्न जातियों के जोड़ों के साथ कराया था।